जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 296 प्रभात उदयपुर, सोमवार 29 अगस्त, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

वैंलिंगटन के काका पैरट चूजों में लैड (सीसा) पाया गया है। शोध के दौरान एक तिहाई चूजों के रक्त तथा अंडे के छिलके में टॉक्सिक मैटल मिला। तथापि, लगता है कि इन चिड़ियों में लैड के प्रति सहिष्णुता उत्पन्न हो गई है। छोटे आकार के काका पैरट शोर मचाने वाले, चतुर, तोते होते हैं जिनके गहरे हरे पंख तथा पंखों के नीचे व छाती पर सुर्ख लाल धब्बे होते हैं। विशेष रुप से सुबह व शाम को ये बहुत शोर मचाते हैं। न्यूज़ीलैण्ड की राजधानी में काका तोतों की आबादी दस साल में 250 प्रतिशत तक बढ़ गई है, इसका श्रेय अरबन इको सैंक्चुअरी ज़ीलैंडिया को दिया जा सकता है। लेकिन शहरी पर्यावरण के खतरे भी हैं, जिनमें प्रमुख है, पेंट आदि में पाया जाने वाला लैड। मैसी युनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 2015 से 2017 के बीच के दो सीज़न में ज़ीलैंडिया के काका तोतों के 139 चूजों के रक्त के नमूने लिए, रक्त में लैड की जांच करने के लिए। साईन्स ऑफ टोटल एनवायरमैंट जर्नल में प्रकाशित इस शोध के अनुसार एक तिहाई चूजों में लैड की मौजूदगी पाई गई और निष्कर्ष निकाला गया कि, या तो माता-पिता के जरिए भोजन द्वारा लैड चूजों में पहुँचा या फिर चूजों ने अण्डे के आवरण से इसे अवशोषित किया है। एक वन्य जीव चिकित्सक, अदिती श्रीराम, जो शोध की कॉरस्पॉण्डिंग लेखक हैं, ने कहा कि लैड इनके विकास में बाधक हो सकता है और एक तिहाई चूजों में लैड मिलना महत्वपूर्ण बात है। श्रीराम के पूर्व अध्ययनों में से एक में पाया गया था कि वयस्क काका तोतों में लैड एक्सपोज़र का बड़ा कारण है वैंलिंगटन के घरों की छतों पर किया जाने वाला लैड पेंट। अब इन वयस्क तोतों से उनके बच्चों में भी यह टॉक्सिन जा रहा है। श्रीराम ने कहा, ''एग शैल पर लैड मिलना खासतौर पर चिंताजनक है। न्यूरो डवलपमैंट की महत्वपूर्ण अवधि में लैड से सम्पर्क के दूरगामी नतीजे हो सकते हैं, इसके कारण न्यूरोलॉजिकल विकृतियों के साथ-साथ देखने समझने की समस्या भी पैदा हो सकती है। इसके बावजूद भी चूजों की सरवाइवल रेट 100 प्रतिशत रही। श्रीराम ने कहा, हमने कई न्यूरोलॉजिकल एवं कुछ फिज़ियोलॉजिकल टैस्ट किए और हमें कोई असामान्यता नहीं मिली, यहां तक कि, दो चूजे, जिनमें हमारे विचार से लैड की मात्रा ज्यादा थी, वे भी जीवित रहे।'' इससे शोधकर्ताओं को यकीन हो गया कि इस प्रजाति में लैड के प्रति सहिष्णुता विकसित हो गई है।

17 अक्टूबर को होगा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, मतगणना 19 को

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि, सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई सी.डब्ल्यु.सी. की मीटिंग में यह फैसला लिया गया

- **कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अधिसूचना 20 सितम्बर को जारी होगी। 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक कोई भी उम्मीदवार अपना नामांकन दाखिल कर सकता है।**
- **एक अक्टूबर को उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी जायेगी। सी.डब्ल्यु.सी. के करीब 9 हजार सदस्य वोटिंग करेंगे।**
- **17 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा।**
- **8 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक उम्मीदवार अपना प्रचार कर सकेंगे।**
- **वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई। महंगाई पर हल्ला बोल रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में चार सितंबर को होगी और सात सितंबर को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू होगी।**

नई दिल्ली, 28 अगस्त (वार्ता)। कांग्रेस ने अपने नए अध्यक्ष के चुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए रविवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर 17 अक्टूबर को मतदान किया जाएगा।

कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्यसमिति की पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में यहां हुई बैठक में लिए गए फैसले के बाद पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री, महासचिव संगठन के.सी. वेणुगोपाल तथा संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की।

मिस्त्री ने कहा की कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए अधिसूचना 22 सितंबर को जारी होगी और 24 सितंबर से 30 सितंबर तक हर दिन 11 से तीन तक नामांकन किया जा सकता है। नामांकन भरने की अंतिम तारीख 30 सितंबर है। उम्मीदवारों के नाम के जांच का काम एक अक्टूबर को होगी और उसी दिन शाम तक उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी जाएगी। उम्मीदवार आठ अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। योग्य उम्मीदवारों की अंतिम सूची आठ अक्टूबर को पांच बजे जारी की जाएगी।

मिस्त्री ने बताया कि उम्मीदवार अपने पक्ष में चुनाव प्रचार आठ अक्टूबर शनिवार से रविवार 16 अक्टूबर तक कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव मैदान में यदि एक से ज्यादा उम्मीदवार होते हैं तो 17 अक्टूबर सोमवार को सुबह 10 से शाम चार तक मतदान होगा और 19 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। जो व्यक्ति इस पद के लिए नामांकन करना चाहते हैं वह कांग्रेस मुख्यालय में नामांकन कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए करीब 9000 से ज्यादा प्रतिनिधि वोटिंग करेंगे। यदि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक ही उम्मीदवार होता है तो उस स्थिति में चुनाव परिणाम भी उसी दिन घोषित कर दिए जाएंगे।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में हुई कार्यसमिति की बैठक में इन चुनाव कार्यक्रमों को मंजूरी दी गई। उनका कहना था कि महंगाई पर हल्ला बोल रैली दिल्ली के रामलीला मैदान में चार सितंबर को होगी और सात सितंबर को कन्याकुमारी से कश्मीर के लिए भारत जोड़ो पदयात्रा शुरू होगी। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए कोई भी व्यक्ति नामांकन कर सकता है और चुनाव की प्रक्रिया 24 सितंबर से शुरू कर दी जाएगी।

यह पूछने पर कि कार्यसमिति में वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे को लेकर कोई चर्चा हुई, जयराम रमेश ने कहा कि सी.डब्ल्यू.सी. में सिर्फ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए जो प्रस्ताव समिति के सामने रखा गया उसे ज्यों का त्यों पारित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जहां इस तरह से अध्यक्ष पद के लिए चुनाव हुए हैं, हो रहे हैं और होते रहेंगे।

बांग्लादेश बॉर्डर पर रेप के आरोप में बी.एस.एफ. के 2 जवान सस्पैंड

बी.एस.एफ. के जवानों को गिरफ्तार करके बांग्लादेश के अधिकारियों को सौंपा गया

- **बी.एस.एफ. के जवानों पर आरोप है कि, उन्होंने भारत से बांग्लादेश में घुसपैठ की कोशिश कर रही एक महिला के साथ रेप किया।**
- **टी.एम.सी. ने बंगाली महिला से रेप के मामले में केन्द्रीय गृह मंत्रालय से माफी की मांग की है।**

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत से अवैध रूप से बांग्लादेश में घुसने की कोशिश कर रही महिला से बलात्कार के आरोप में बी.एस.एफ. के दो जवानों को गिरफ्तार किया गया है। बी.एस.एफ. के सीनियर अधिकारी ने बताया कि सहायक उपनिरीक्षक और कांस्टेबल को शुक्रवार देर रात गिरफ्तार करने के बाद कानूनी कार्रवाई के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है।

यह घटना 26 अगस्त की सुबह पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में बगदा सीमा चौकी के निकट हुई। बी.एस.एफ. कांस्टेबल ने भारत से बांग्लादेश में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश कर रहे दलाल और एक महिला को पकड़ा था। कांस्टेबल महिला को पास के एक खेत में ले गया और उससे कथित तौर पर बलात्कार किया, जबकि सहायक उपनिरीक्षक ने उसे अपराध में कथित तौर पर मदद की। महिला की ओर से पुलिस में शिकायत कराने के बाद यह घटना सामने आई।

इस घटना के बाद से सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया है।

टी.एम.सी. ने ट्वीट किया, हमारा देश भाजपा के कुशासन के तहत महिलाओं के लिए असुरक्षित होता जा रहा है! श्रीमान अमित शाह (केन्द्रीय गृह मंत्री) आपकी निगरानी में बी.एस.एफ. अधिकारी और जवान ने एक महिला के साथ बलात्कार किया और आवाज उठाने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। वास्तव में आत्मनिर्भर भारत का एक चमकदार उदाहरण!

टी.एम.सी. के प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस मामले पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से माफी मांगने की अपील की है। घटना की निंदा करते हुए घोष ने कहा, जिन बी.एस.एफ. जवानों से अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्मगलिंग रोकने की उम्मीद की जाती है, वो बंगाली महिला का बलात्कार कर रहे हैं और उसके बच्चे को दूर फेंक रहे हैं। बी.एस.एफ. जवान बॉर्डर पर तैनात हैं। इसके बावजूद कैसे जानवरों की स्मगलिंग हो रही है। कोयले और मवेशियों को लेकर तृणमूल को बदनाम किया जा रहा है।

भुज में प्र.मंत्री का रोड शो

भुज, 28 अगस्त (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुजरात के भुज में रविवार को रोड शो के दौरान रास्ते के दोनों तरफ हजारों की संख्या में खड़े लोगों ने जोरदार स्वागत किया और राष्ट्रवादी नारे लगाए।

मोदी ने सोमवार को आगामी गुजरात चुनाव से पहले भुज में चुनाव प्रचार किया। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी वीडियो में मोदी की एक झलक पाने के लिए लोगों की उमड़ी भीड़ को देखा जा सकता है जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं ,बच्चे और युवा शामिल है।

- **प्र.मंत्री मोदी ने सोमवार को आगामी गुजरात चुनाव से पहले भुज में चुनाव प्रचार किया।**

इस दौरान आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर हर घर झंडा के मोदी के आव्हान का प्रभाव भी देखा गया। बड़ी संख्या में लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर अपने नेता का स्वागत किया और भारत माता की जय, मोदी जिन्दाबाद , हमारा नेता कैसा हो मोदी जैसा हो आदि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

6 सैकेंड में 32 मंजिला ट्विन टावर जमींदोज हुआ

नॉएडा के ट्विन टावर को गिराने में 3700 किलो विस्फोटक का इस्तेमाल हुआ

- **बिल्डिंग विस्फोट के बाद 87 हजार टन मलबा फैल गया।**
- **103 मीटर ऊंची इस गगनचुम्बी इमारत को ''वॉटरफॉल इम्प्लोजन'' तकनीक की मदद से गिराया गया।**

नॉएडा, 28 अगस्त। नॉएडा का सुपरटेक ट्विन टावर को गिरता पूरे देश के लोगों ने देखा। अब यह इतिहास हो चुका है। 28 अगस्त को दोपहर ठीक 2.31 मीनट पर दोनों टावर को गिरा दिया गया। पहले बताया जा रहा था कि इस 32 मंजिला टावर को गिराने में 9 सैंकेंड का वक्त लगेगा लेकिन 100 मीटर ऊंचे टावर को गिरने में मात्र 6 सैंकेंड का वक्त लगा और पूरा सुपरटेक ट्विन टावर देखते ही देखते जमींदोज हो गया। विस्फोट पहले सियान, फिर एपेक्स में किया गया। ब्लास्ट के दौरान करीब 500 मीटर दूर स्थित फ्लाईओवर भी हिल गया। इस पर सारे अफसर और मीडियाकर्मी मौजूद थे, जो कंपन से सहम गए। दोनों टावर के सटी सोसाइटी की बाउंड्रीवाल गिर गई है। एक अन्य दीवार में 10 मीटर लंबी दरार आई है। कुछ मलबा सोसाइटी के सामने सड़क पर आ गया है।

अवैध रूप से निर्मित इन ट्विन टावर को ध्वस्त करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के साल भर बाद यह कार्रवाई की गई। दिल्ली के ऐतिहासिक कुतुब मीनार (73 मीटर) से भी ऊंचे गगनचुंबी ट्विन टावर को 'वाटरफॉल इम्प्लोजन' तकनीक की मदद से गिराया गया। नोएडा के सेक्टर 93ए में सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट हाउसिंग सोसाइटी के भीतर 2009 से 'एपेक्स' (32 मंजिल) और 'सियान' (29 मंजिल) टावर निर्माणाधीन थे। इमारतों को ध्वस्त करने के लिए 3,700 किलोग्राम से अधिक विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फायर ब्रीगेड की गाड़ियां भी मौके पर मौजूद थी।

ट्विन टावर को गिराने का काम करने वाली कंपनी एडिफिस इंजीनियरिंग के एक अधिकारी ने बताया कि एमराल्ड कोर्ट सोसाइटी के आसपास मौजूद आवासीय इमारतों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि बाद में नोएडा प्राधिकरण की सी.ई.ओ. रितु माहेश्वरी ने बताया कि मलबे की चपेट में आने से पास की ए.टी.एस. सोसायटी की 10 मीटर की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है।

चीन की लड़ाकू हवाई गश्ती

ताइपे, 28 अगस्त (वार्ता)। ताइवान ने कहा है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पी.एल.ए.एन.) के आठ जहाजों के साथ-साथ 23 विमानों को ताइवान के पास देखा गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा,आठ पी.एल.ए.एन. जहाजों और 23 पी.एल.ए. (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) विमानों को हमारे आसपास के क्षेत्र में आज (28 अगस्त, 2022)

- **ताईवान ने कहा है कि, चीन के 8 जहाज और 23 लड़ाकू विमान ताईवान के क्षेत्र में मंडरा रहे हैं।**

शाम पांच बजे देखा गया। देश के सशस्त्र बलों ने स्थिति की निगरानी की है और सी.ए.पी. (लड़ाकू हवाई गश्ती) में विमानों, नौसैनिक जहाज और भूमि आधारित मिसाइल प्रणालियों के जरिए इन गतिविधियों का जवाब दिया है।

मंत्रालय के अनुसार 10 विमानों ने ताइवान जलडमरू मध्य की तथाकथित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया भी तेजस विमान खरीदने में रूचि दिखा रहे हैं

भारतीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार, करीब 14-15 देशों के साथ विमान खरीद की डील चर्चा में है

- **अर्जेंटीना, ईजिप्ट, फिलीपिंस और इण्डोनेशिया जैसे देश भारत को तेजस फाइटर जेट खरीदने के लिए बड़ा ऑर्डर देने वाले हैं।**
- **तेजस भारतीय सेना में मिग-21 का मजबूत विकल्प है। उससे दोगुनी क्षमता में हथियार ले जा सकता है उसका वजन मात्र 65 टन है।**
- **मलेशिया ने 18 तेजस फाइटर जेट खरीदने में रूचि दिखाई है।**

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत में बने स्वदेशी फाइटर जेट तेजस की ग्लोबल डिमांड अचानक तेजी से बढ़ने लगी है। मेड इन इंडिया के आव्हान के बाद इस फाइटर जेट को देश और दुनिया की अत्याधुनिक जरूरतों के अनुसार अपग्रेड किया गया है। यही वजह है कि रक्षा के क्षेत्र में माहिर माने जाने वाले अमेरिका जैसे शक्तिशाली देशों ने भी भारत के इस फाइटर जेट को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार अब तक अमेरिका समेत आस्ट्रेलिया, मलेशिया, अर्जेंटीना, इजिप्ट, फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देश तेजस फाइटर जेट को अपने रक्षा बेड़े में शामिल करने को आतुर हैं। आखिर इस तेजस फाइटर की ऐसी क्या खासियत है, जिसकी पूरी दुनिया दीवानी हो रही है। युद्ध क्षेत्र में तेजस दुश्मनों के लिए कितना खतरनाक साबित हो सकता है, आइए इसके युद्ध कौशल को आपको हम समझाते हैं।

तेजस की खूबियां-1-यह बहुत हल्का सिर्फ 6500 किलो वजन वाला फाइटर जेट है। 2-यह सिंगल इंजन और मल्टीरोल फाइटर जेट है। 3-इस सुपरसोनिक फाइटर जेट को हिंदुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बनाया है। 4-यह हाईरिस्क क्षेत्र में भी ऑपरेशन को अंजाम देने में माहिर है। 5-दुश्मनों के एअरक्राफ्ट और रडार को दूर से ही निशाना बना सकता है। 6-एक ही बार में 10 लक्ष्यों को भेद सकता है। 7-सिर्फ 460 मीटर के छोटे रनवे पर टेकऑफ कर सकता है। 8-इसमें मॉडर्न टेक्नॉलोजी के साथ इजरायल की ई.एल./एम.-2052 रडार टेक्नॉलोजी का समावेश है। 9-50 हजार फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। 10-एक घंटे में 2205 किलोमीटर की दूरी तय करता है। 11-लंबाई सिर्फ 13.20 मीटर व चौड़ाई 4.40 मीटर है। 12-यह टाइटेनियम, कार्बन फाइबर और एल्युमिनियम का बना होने के नाते बेहद मजबूत है। 13-इसमें सेल्फ प्रोटेक्शन जैमर लगा है, जो खुद को आसमान और जमीन से किए गए अटैक में बचाने में सक्षम है।

14-इसमें विशेष बियान्ड विजुअल मिसाइल टेक्नॉलोजी का इस्तेमाल हुआ है। इससे यह दुश्मन के ठिकानों की पहचान कर पलक झपकते उसे तबाह कर सकता है। 15-हवा में उड़ते समय ही 20 हजार फीट की ऊंचाई पर इसमें ईंधन भरा जा सकता है। 16-यह एअर टू एअर मिसाइल ब्रह्मोज और क्रूज को ले जाने में सक्षम है। 17-इसमें एक साथ छह तरह की मिसाइलें लोड की जा सकती हैं। 18-इसमें क्लस्टर बम, गाइडेड बम और लेजर गाइडेड बम भी लगाए जा सकते हैं। 19-इसकी रफ्तार राफेल से भी 300 किलोमीटर प्रतिघंटा अधिक है। 20-यह भारतीय सेना में मिग-21 का मजबूत विकल्प है। उससे दोगुनी क्षमता में हथियार ले जा सकता है। 21-हल्का होने की वजह से यह समुद्री पोतों पर आसानी से लैंड और टेकऑफ कर सकता है।

भारत में हल्के फाइटर जेट बनाने की दिशा में वर्ष 1983 से इसकी पहल शुरू हुई थी। इसे बनाने में करीब 18 वर्ष लगे। चार जनवरी 2001 को तेजस ने पहली उड़ान भरी थी। वर्ष 2003 में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ने इसे तेजस नाम दिया था। तब से अब तक यह विमान बहुत अधिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इस्तीफा

श्रीनगर, 28 अगस्त (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस को एक और झटका लगा जब पूर्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ताज मोहिउद्दीन ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर गुलाम नबी आजाद के साथ जाने की घोषणा कर दी।

मोहिउद्दीन ने श्रीनगर में रविवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस छोड़ने और आजाद के साथ जाने घोषणा की। उन्होंने मीडियाकर्मियों को कहा कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र लिखकर

- **जम्मू कश्मीर कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा, पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता ताज मोहिउद्दीन ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया।**

पार्टी के सभी पदों और सदस्यता से इस्तीफा देने के बारे में बता दिया है।

उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (ए.आई.सी.सी.) में अब कुछ नहीं बचा है और आज मैं इसकी प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हुं। मोहिउद्दीन जम्मू-कश्मीर के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)